चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	23.5.25	5	1-5

हकृवि के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार से नवाजा

- विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग ने अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की
- कुलपति बोले- यह पुरस्कार दिया जाता है मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों के उत्पादन देने वाली किस्मों के लिए

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डा. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिक भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए निरंतर अपना प्रयास जारी रखें ताकि दलहनी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एसकेएनएयू, आरएआइ, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवसर पर ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डा. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डा. राजेश यादव व डा. उमा उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज अवार्ड प्राप्त करने वाली टीम के साथ

देश के 20-25 प्रतिशत क्षेत्रों में उगाई जाती है हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की मूंग की किस्में

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने बताया कि दलहन अनुभाग द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान मूंग की विभिन्न तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 विकसित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मूंग की नौ किस्मों में एमएच 421 सबसे अधिक प्रभावशाली किस्म रही है जिसने देश में और विशेष रूप से राजस्थान में मूंग की खेती, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में सराहनीय भूमिका निभाई। राजस्थान भारत का सबसे अधिक मूंग की काश्त करने वाला राज्य है, जहां देश का लगभग आधा मूंग उगाया व पैदा किया जाता है। 2017 से 2020 के दौरान देशभर में यह किस्म लगभग 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई गई और इससे मूंग के क्षेत्र, उत्पादन व उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की मूंग की नई किस्म एमएच-1142 भारत सरकार द्वारा 2020 में अनुमोदित की गई और उसके बाद इस किस्म के अंतर्गत क्षेत्र में लगातार वृद्धि होती गई। पिछले दो वर्षों में यह देश में सबसे ज्यादा बोई जाने वाली मूंग की किस्म है। 2024 में अनुमोदित एमएच 1762 ने भी साल भर में ही अपना परचम लहराना शुरू कर दिया है और राजस्थान में इसकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के ब्रीडर सीड्स इन्डेंट तथा राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड को मिलाकर हकृवि की मूंग की किस्में देश के 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	23-5-25	5	1-5

उपलब्धि • मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला सम्मान, वैज्ञानिकों को दी बधाई

हकृवि के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार मिला

भास्कर न्यूज | हिसार

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज अवार्ड प्राप्त करने वाली टीम के साथ

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। एचएयू की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया।

कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि का श्रेय दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को दिया है। उन्होंने कहा वैज्ञानिक भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए निरन्तर अपना प्रयास जारी रखें ताकि दलहनी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एसकेएनएयू, आरएआरआई, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया। राजस्थान भारत का सबसे अधिक मूंग की काश्त करने वाला राज्य है, जहां देश का लगभग आधा मूंग उगाया व पैदा किया जाता है। 2017 से 2020 के दौरान देशभर में यह किस्म लगभग 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई गई और इससे मूंग के क्षेत्र, उत्पादन व उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की मूंग की नई किस्म एमएच-1142 भारत सरकार द्वारा 2020 में अनुमोदित की गई और उसके बाद इस किस्म के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि होती गई। पिछले दो वर्षों में यह देश में सबसे ज्यादा बोई जाने वाली मूंग की किस्म है। ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, डॉ. संदीप आर्य, कपिल अरोड़ा, डॉ. गजराज दहिया, डॉ. राजेश यादव व डॉ. उमा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	23-5-25	2	1-2

एचएयू के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार से नवाजा

एचएयू में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज अवॉर्ड प्राप्त करने वाली टीम के साथ। स्रोत : संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त पैदावार वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार से नवाजा गया है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

प्रो. कांबोज ने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त पैदावार देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया। कुलपति ने विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि का श्रेय दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को दिया है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए प्रयास जारी रखें ताकि दलहनी फसलों की पैदावार में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके।

गौरतलब है कि अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक एसकेएनएयू, आरएआरआई, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें एचएयू को सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार से नवाजा गया।

इस मौके पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव व डॉ. उमा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	23.5.25	10	4-7

हकृवि के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दलहन वैज्ञानिकों को दी बधाई

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज अवार्ड प्राप्त करने वाली टीम के साथ।

हिसार, 22 मई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया। कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि का श्रेय दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को दिया है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए निरन्तर अपना प्रयास जारी रखे ताकि दलहनी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एसकेएनएयू, आरएआरआई, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाज़ा गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि दलहन अनुभाग द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान मूंग की विभिन्न तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 विकसित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मूंग की नौ किस्मों में एमएच 421 सबसे अधिक प्रभावशाली किस्म रही है जिसने देश में और विशेष रूप से राजस्थान में मूंग की खेती, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में सराहनीय भूमिका निभाई। राजस्थान भारत का सबसे अधिक मूंग की काश्त करने वाला राज्य है, जहां देश का लगभग आधा मूंग उगाया व पैदा किया जाता है। 2017 से 2020 के दौरान देशभर में यह किस्म लगभग 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई गई और इससे मूंग के क्षेत्र, उत्पादन व उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की मूंग की नई किस्म एमएच-1142 भारत सरकार द्वारा 2020 में अनुमोदित की गई और उसके बाद इस किस्म के अंतर्गत क्षेत्र में लगातार वृद्धि होती गई। पिछले दो वर्षों में यह देश में सबसे ज्यादा बोई जाने वाली मूंग की किस्म है। 2024 में अनुमोदित एमएच 1762 ने भी साल भर में ही अपना परचम लहराना शुरू कर दिया है और राजस्थान में इसकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के ब्रीडर सीड्ज इन्डेंट तथा राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड को मिलाकर हकृवि की मूंग की किस्में देश के 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाती हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव व डॉ. उमा उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	23.5.25	5	3-5

हकृवि के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज अवार्ड प्राप्त करने वाली टीम के साथ।

हिसार, 22 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया।

कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि का श्रेय दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को दिया है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए निरन्तर अपना प्रयास जारी रखे ताकि दलहनी फसलों के उत्पादन में बढ़ौतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एस.के.एन.ए.यू., आर.ए.आर.आई., दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि दलहन अनुभाग द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान मूंग की विभिन्न तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 विकसित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मूंग की नौ किस्मों में एमएच 421 सबसे अधिक प्रभावशाली किस्म रही है जिसने देश में और विशेष रूप से राजस्थान में मूंग की खेती, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में सराहनीय भूमिका निभाई।

इस अवसर पर ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एस.वी.सी. कपिल अरोड़ा, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव व डॉ. उमा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	23.5.25	7	1-2

हरिभूमि

एचएयू के दलहन अनुभाग को मिला सवश्रेष्ठ केंद्र का राष्ट्रीय पुरस्कार

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तहत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एसकेएनएयू, आरएआरआई, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि दलहन अनुभाग द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान मूंग की विभिन्न तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 विकसित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	22.05.2025	--	--

मूंग अनुसंधान में बेहतर कार्य के लिए हकृवि के दलहन अनुभाग को मिला सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया।

कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि का श्रेय दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को दिया है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए निरन्तर अपना प्रयास जारी रखे ताकि दलहनी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एसकेएनएयू, आरएआरआई, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव व डॉ. उमा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	22.05.2025	--	--

हकृवि के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने दलहन वैज्ञानिकों को दी बधाई

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया।

कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि का श्रेय दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को दिया है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए निरन्तर अपना प्रयास जारी रखे ताकि दलहनी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एसकेएनएयू, आरएआरआई, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया।

हकृवि की मूंग की किस्में देश के 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाती है

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि दलहन अनुभाग द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान मूंग की विभिन्न तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 विकसित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मूंग की नौ किस्मों में एमएच 421 सबसे अधिक प्रभावशाली किस्म रही है जिसने देश में और विशेष रूप से राजस्थान में मूंग की खेती, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में सराहनीय भूमिका निभाई। राजस्थान भारत का सबसे अधिक मूंग की काश्त करने वाला राज्य है, जहां देश का लगभग आधा मूंग उगाया व पैदा किया जाता है। 2017 से 2020 के दौरान देशभर में यह किस्म लगभग 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई गई और इससे मूंग के क्षेत्र, उत्पादन व उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई।

तत्पश्चात विश्वविद्यालय की मूंग की नई किस्म एमएच-1142 भारत सरकार द्वारा 2020 में अनुमोदित की गई और उसके बाद इस किस्म के अंतर्गत क्षेत्र में लगातार वृद्धि होती गई। पिछले दो वर्षों में यह देश में सबसे ज्यादा बोई जाने वाली मूंग की किस्म है। 2024 में अनुमोदित एमएच 1762 ने भी साल भर में ही अपना परचम लहराना शुरू कर दिया है और राजस्थान में इसकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के ब्रीडर सीड्ज इन्डेंट तथा राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड को मिलाकर हकृवि की मूंग की किस्में देश के 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाती हैं।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव व डॉ. उमा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	22.05.2025	--	--

हकृवि के दलहन अनुभाग को सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया। कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि का श्रेय दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को दिया है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए निरन्तर अपना प्रयास जारी रखें ताकि दलहनी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एसकेएनएयू, आरएआरआई, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया। हकृवि की मूंग की किस्में देश के 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाती है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि दलहन अनुभाग द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान मूंग की विभिन्न तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 विकसित की गई हैं। उन्होंने बताया कि मूंग की नौ किस्मों में एमएच 421 सबसे अधिक प्रभावशाली किस्म रही है जिसने देश में और विशेष रूप से राजस्थान में मूंग की खेती, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में सराहनीय भूमिका निभाई। राजस्थान भारत का सबसे अधिक मूंग की काश्त करने वाला राज्य है, जहां देश का लगभग आधा मूंग उगाया व पैदा किया जाता है। 2017 से 2020 के दौरान देशभर में यह किस्म लगभग 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई गई और इससे मूंग के क्षेत्र, उत्पादन व उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की मूंग की नई किस्म एमएच-1142 भारत सरकार द्वारा 2020 में अनुमोदित की गई और उसके बाद इस किस्म के अंतर्गत क्षेत्र में लगातार वृद्धि होती गई। पिछले दो वर्षों में यह देश में सबसे ज्यादा बोई जाने वाली मूंग की किस्म है। 2024 में अनुमोदित एमएच 1762 ने भी साल भर में ही अपना परचम लहराना शुरू कर दिया है और राजस्थान में इसकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के ब्रीडर सीड्ज इन्डेंट तथा राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड को मिलाकर हकृवि की मूंग की किस्में देश के 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाती हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, एसवीसी कपिल अरोड़ा, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. गजराज दहिया, दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव व डॉ. उमा उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	22.05.2025	--	--

हकृवि के दलहन अनुभाग को मिला सवश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार

नभ-छोर न्यूज ⏭ 22 मई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा मूंग अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार प्रदान किया गया है। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार मूंग की उच्च गुणवत्ता युक्त फसलों का उत्पादन देने वाली किस्मों और तकनीकों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा अब तक उच्च गुणवत्ता वाली मूंग की नौ किस्में विकसित की गई हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से यह पुरस्कार दलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. राजेश यादव द्वारा प्राप्त किया गया।

कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि का श्रेय दलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों को

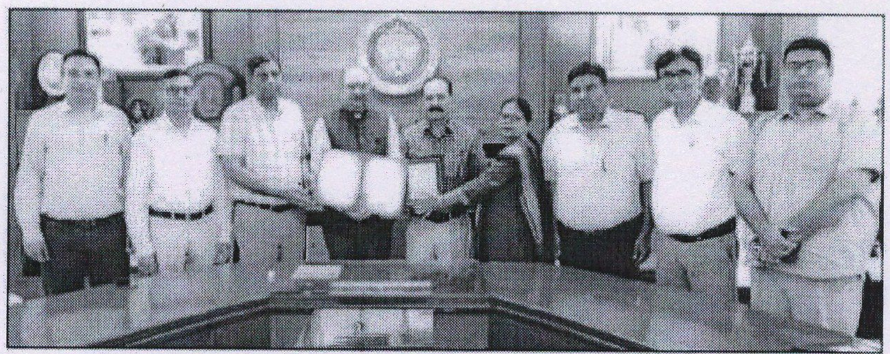

भविष्य में भी उन्नत किस्में विकसित करने के लिए निरन्तर अपना प्रयास जारी रखे ताकि दलहनी फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सके। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक जो एस-किएनएयू, आरएआरआई, दुर्गापुर-जयपुर में आयोजित की गई, जिसमें हकृवि को मूंग अनुसंधान के सर्वश्रेष्ठ केन्द्र पुरस्कार से नवाजा गया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि दलहन अनुभाग द्वारा गत पांच वर्षों के दौरान मूंग की विभिन्न तीन किस्में एमएच 1142, एमएच 1762 तथा एमएच 1772 कि मूंग की नौ किस्मों में एमएच 421 सबसे अधिक प्रभावशाली किस्म रही है जिसने देश में और विशेष रूप से राजस्थान में मूंग की खेती, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में सराहनीय भूमिका निभाई। राजस्थान भारत का सबसे अधिक मूंग की काश्त करने वाला राज्य है, जहां देश का लगभग आधा मूंग उगाया व पैदा किया जाता है। 2017 से 2020 के दौरान देशभर में यह किस्म लगभग 20-25 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई गई और इससे मूंग के क्षेत्र, उत्पादन व उत्पादकता में काफी वृद्धि हुई। इस अवसर पर डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. राजबीर गर्ग, डॉ. संदीप आर्य, कपिल अरोड़ा, डॉ. गजराज दहिया, डॉ. राजेश यादव व डॉ. उमा